सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

सुविचार

सम्मान हमेशा स्थिति और समय का होता है... पर इंसान उसे अपना समझ लेता है।

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 16 SEPTEMBER TO 22 SEPTEMBER 2021 • VOLUME-9 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

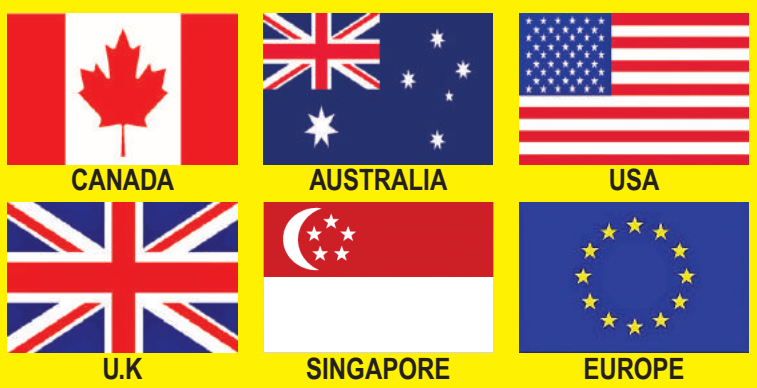

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

पंजाब में हाई अलर्ट

तेल टैंकर को आईईडी टिफिन बम से उड़ाने की कोशिश के मामले में 4 और व्यक्तियों की गिरफ्तारी

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पिछले महीने आई.ई.डी. टिफिन बम से तेल टैंकर को उड़ाने की कोशिश में शामिल आईएसआई समर्थित आतंकी गिरोह के चार और सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद राज्य में हाई अलर्ट के आदेश दिए हैं। बताने योग्य है कि पिछले 40 दिनों के दौरान पुलिस द्वारा राज्य में बेनकाब किए गए पाकिस्तानी आतंकी गिरोह का यह चौथा मामला है। डीजीपी दिनकर गुप्ता ने आज यहाँ बताया कि इस मामले (एफआईआर नं. 260 तारीख़ 11.8.2021, पुलिस थाना अजनाला) में एक पाकिस्तानी खुफिय़ा अधिकारी समेत दो पाकिस्तान आधारित आतंकवादियों की पहचान और नामज़द किया गया है, जिसमें एक व्यक्ति को पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

आतंकवादी समूहों द्वारा राज्य की शांति भंग करने की बढ़ रही कोशिशों का गंभीर नोटिस लेते हुए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने विशेष तौर पर स्कूल और शैक्षिक संस्थाओं के फिर खुलने के साथ-साथ आगामी त्योहारों के सीज़न और विधान सभा चुनावों को देखते हुए पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को ख़ासकर भीड़ वाले स्थानों जैसे कि बाज़ारों आदि के साथ-साथ राज्य भर में संवेदनशील स्थानों पर ठोस सुरक्षा प्रबंधों को सुनिश्चित बनाने के लिए कहा

है। गिरफ्तारियों संबंधी विवरण देते हुए डीजीपी ने बताया पाकिस्तान आधारित आई.एस. वाई.एफ. के प्रमुख लखबीर सिंह और पाकिस्तान के रहने वाले कासिम, मोगा ज़िले के पुलिस थाना समालसर के अधीन आने वाले गाँव रोडे के निवासी लखबीर सिंह रोडे उर्फ बाबा जो इस समय पाकिस्तान में रहता है, की पहचान की गई है जो इस आतंकवादी गिरोह से सम्बन्धित हैं। कल गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान रूबल सिंह निवासी गाँव भाखा तारा सिंह, विक्की भुट्टी निवासी बल्ल्हरवाल, मलकीत सिंह निवासी निवासी उगर औलख और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी उगर औलख के तौर पर हुई है।"

ज़िक्रयोग्य है कि 1 सितम्बर, 2021 के एक कत्ल केस में वांछित रूबल को कल शाम 5 बजे के करीब अम्बाला से काबू किया गया था, बाकी तीनों को अजनाला, अमृतसर के अधीन आने वाले गाँवों से गिरफ्तार किया गया था। उनके पाँचवें साथी गुरमुख बराड़ को इससे पहले कपूरथला पुलिस ने 20 अगस्त, 2021 को गिरफ्तार किया था। डीजीपी ने कहा कि पाकिस्तान के खुफिय़ा अधिकारी कासिम और इंटरनैशनल सिख यूथ फैडरेशन (आईएसवाईएफ) के प्रमुख रोडे ने धमाके को अंजाम देने के लिए आतंकवादी गिरोह को तकरीबन 2 लाख रुपए भेजने का वादा किया था।

उन्होंने कहा कि इस मामले की वित्तीय पहलुओं से भी जाँच की जा रही है। रूबल और विक्की भुट्टी, कासिम के संपर्क में थे, जो रोडे के साथ नज़दीकी तालमेल रख रहा था। रोडे और कासिम ने कथित तौर पर लोगों और संपत्ति को अधिक से अधिक नुकसान पहुँचाने के लिए आतंकवादी गिरोह के चार सदस्यों को एक ऑयल टैंकर उडाने की ज़िम्मेदारी सौंपी थी। दहशत फैलाने की यह कोशिश 8 अगस्त, 2021 को की गई थी।

टाइम मैगजीन: दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों में PM मोदी, ममता और पूनावाला

नई दिल्ली. टाइम मैगजीन ने दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के चेयरमैन अदार पूनावाला का नाम शामिल है। आपको बता दें कि प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने बुधवार को 2021 के सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की है। इसमें सभी प्रभावशाली लोगों को अलग-अलग वर्गों में बांटा गया है।

प्रभावशाली नेताओं की सूची में नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस,

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इजराइल के राष्ट्रपति नफताली बैनेट, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का नाम शामिल है। सूची में एक नाम आतंकी संगठन तालिबान के राजनीतिक चेहरे मूल्ला अब्दुल गनी बरादर का भी नाम शामिल है। आपको बता दें कि बीते साल भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सूची में जगह दी गई थी। आधार पूनावाला का नाम दुनिया के अगुआओ के वर्ग में शामिल है।

सोनू सूद से जुड़े छह परिसरों में आयकर विभाग का सर्वे

मुंबई. कोरोना संकट काल में गरीबों के मसीहा के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता सोनू सूद की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल सोनू सूद के मुंबई के मौजूदा छह परिसरों में आयकर विभाग के अधिकारी सर्वे कर रहे हैं। इनकम विभाग के पहुंचने के साथ ही सोनू सूद के दफ्तर और आसपास में हड़कंप मच गया। फिलहाल आयकर विभाग के अधिकारी लगातार जांच कर रहे हैं। काबिलेग़ौर है कि हाल में ही सोनू सूद ने दिल्ली में केजरीवाल की सरकार द्वारा शुरू किए गए 'देश का मेंटर' कार्यक्रम का ब्रांड अंबेसडर बने थे।

धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में गुरदास मान को मिली अंतरिम जमानत

चंडीगढ़. पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को पंजाबी गायक गुरदास मान को सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अंतरिम जमानत दे दी। मान ने जालंधर की एक अदालत के उस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत रद्द कर दी गई थी।

गुरदास मान पर जालंधर की नकोदर पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया था. माफी मांगने के बावजूद उन पर मामला दर्ज किया गया था। हाईकोर्ट में दायर अग्रिम जमानत याचिका में मान के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस चीमा, अधिवक्ता अर्शदीप सिंह चीमा और तरन्नुम चीमा ने उल्लेख किया है कि धारा 295 (ए) जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के लिए लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य नाराजगी है। दायर याचिका में मान के वकीलों ने यह भी ज़िक्र किया है कि याचिकाकर्ता धर्म से सिख है और सभी सिख गुरुओं का एक भक्त भी है और सभी सिख प्रथाओं का पालन करता है।

'आप' ने यूपी में 100 सीटों पर उतारे अपने उम्मीदवार

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने 100 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। आप के राज्यसभा सांसद व उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। 'आप' ने यहां अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। संजय सिंह के मुताबिक 100 उम्मीदवारों में 35 फ़ीसदी सीटों पर अति पिछड़ा उम्मीदवार उतारे हैं। अनुसूचित वर्ग के 16 उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है। इसके अलावा 20 पर ब्राह्मण और 5 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। संजय सिंह ने कहा कि इस सूची में डॉक्टर, इंजीनियर, पत्रकार सबको जगह मिली है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही 'आप' ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर 'तिरंगा यात्रा' और राम राज्य की स्थापना करने का आह्वान किया। रैली का नेतृत्व आप सांसद संजय सिंह और दिल्ली में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया।

संसद टीवी लांच, पीएम मोदी बोले- भारत के लिए लोकतंत्र जीवनधारा है

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसद टीवी का उद्घाटन किया। इसी के साथ लोकसभा टीवी और राज्यसभा टीवी का विलय हो गया। दोनों को मिलाकर संसद टीवी बनाया गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन हमारी संसदीय व्यवस्था में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ रहा है। आज देश को संसद टीवी के रूप में संचार और संवाद का एक ऐसा माध्यम मिल रहा है जो देश के लोकतंत्र और जनप्रतिनिधियों की नई आवाज के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि संसद टीवी के रूप में एक नई शुरुआत हो रही है। संसद टीवी सोशल मीडिया और ओटीटी पर भी उपलब्ध होगा। यह ऐप प्रारूप में भी उपलब्ध होगा। यह इसे आम भारतीय के करीब ले जाएगा।

मोदी ने आगे कहा कि आज देश को संचार का एक नया माध्यम मिल रहा है जो भारत के युवाओं और लोकतंत्र की आवाज के रूप में काम करेगा। दूरदर्शन ने भी 62 साल पूरे कर लिए हैं और बहुत सारे लोगों ने इसकी यात्रा में योगदान दिया है। बदलते समय में मीडिया और टीवी चैनलों की भूमिका भी तेजी से बदल रही है। 21वीं सदी तो संचार और संवाद के जरिए रेवोल्यूशन ला रही है। ऐसे में ये स्वाभाविक है कि हमारी संसद से जुड़े चैनल भी इन आधुनिक व्यवस्थाओं के हिसाब से खुद को ट्रान्स्फॉर्म करें। मोदी ने कहा कि भारत के लिए लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं है, एक विचार है। भारत में लोकतंत्र, सिर्फ संवैधानिक स्ट्रक्चर ही नहीं है, बल्कि वो एक स्पिरिट है।

पंजाब में साल 2022 के चुनाव में सरकारी अस्पताल होंगे गंभीर मुद्दा

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब में कुछ समय पहले निवेशकों द्वारा होटल लाइन में अपना पैसा निवेश करने के लिए सबसे उचित विकल्प माना जाता था। इसी तरह का ट्रेंड कुछ सालों बाद शहरों में निजी स्कूल खोलने के लिए निवेशकों द्वारा फायदेमंद और सोसाइटी में साफ छवि रखने वाला माना जाने लगा।

लेकिन आज कोविड जैसे हालातों को देखने के बाद डॉक्टरों के साथ-साथ निवेशकों द्वारा निजी अस्पताल खोलने में अपनी जमा पूंजी को निवेश किया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा गरीबों को स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए चलाई जा रही आयुष्मान भारत योजना और पंजाब में यह योजना सरबत सेहत बीमा के तहत जरूरतमंद और गरीब लोगों को 5 लाख तक का इलाज मुफ्त दिया जा रहा है।

इस योजना के तहत केंद्र द्वारा 60 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा बाकी के 40 प्रतिशत का भुगतान वित्तीय सहायता के तौर पर बतौर प्रीमियम बीमा कंपनी को दिया जा रहा है।

दूसरी तरफ कुछ लोगों को यह सुविधा न मिलने के कारण कोविड जैसी गंभीर बीमारी के चलते तक़रीबन हर एक व्यक्ति द्वारा अब प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनी से बीमा भी करवाया गया है और जिसके पास यह सुविधाएं उपलब्ध नहीं है उन्हें निजी अस्पतालों में भारी-भरकम बिल चुकाने पड़ते हैं।

इन निजी अस्पतालों की तरफ निवेशकों का ध्यान होना जालंधर शहर में सिविल अस्पताल और छोटी बारादरी स्थित पंजाब इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस (पिम्स)

में लोगों को मूलभूत सुविधाएं न मिल पाना भी मुख्य कारण बताया गया है।

अक्सर सरकारी डॉक्टरों द्वारा जो दवाइयां लिखी जाती हैं उनमें से कुछ दवाइयां तो अस्पाल के मेडिकल स्टोर से मिल जाती हैं लेकिन सभी दवाइयों के उपलब्ध न होने के कारण लोगों को मजबूरी में उक्त दवाइयां सिर्फ सिविल अस्पताल के आसपास स्थित मेडिकल स्टोरों से ही लेनी पड़ती हैं।

दूसरी तरफ जालंधर छोटी बारादरी स्थित फोर्टिज के तर्ज पर निर्मित पिम्स अस्पताल भी लोगों के किसी काम नहीं आ रहा। जिसका मुख्य कारण मरीजों को देने के लिए फार्मेसी स्टोर के पास दवाई उपलब्ध नहीं होती यहां दवाइयों की अक्सर कमी रहती है। लेकिन उक्त सारी दवाइयां आसपास स्थित मेडिकल स्टोरों पर उपलब्ध होती है।

जिक्रयोग्य है पिछले महीने कुछ निजी अस्पतालों द्वारा इलाज न दिए जाने के कारण सचिन जैन की मृत्यु हो गई थी और प्रशासन द्वारा इन निजी अस्पातालों की जांच के आदेश दिए गए थे जिसकी जांच अभी जारी है। शहर में इतने बड़े-बड़े अस्पताल होने के बावजूद लालची अस्पतालों के कारण अबतक अनगिनत जानें गई हैं।

सदियों से डाक्टरी पेशे को बड़े ही इज्जत की नजर से देखा जाता है और डाक्टरों को लोग भगवान का दर्जा भी देते हैं। लेकिन लालची प्रवृति के लोगों और गलत मानसिकता वाले डाक्टरों व डाक्टरी पेशे का व्यापारीकरण होने के कारण यह प्रोफेशन भी बदनाम हो रहा है जिसके कारण अच्छे और ईमानदार डाक्टरों की छवि भी खराब हो रही है।

जालंधर ब्रीज विचार

सदियों से डाक्टरी पेशे को बड़े ही इज्जत की नजर से देखा जाता है और डाक्टरों को लोग भगवान का दर्जा भी देते हैं। लेकिन लालची प्रवृति के लोगों और गलत मानसिकता वाले डाक्टरों व डाक्टरी पेशे का व्यापारीकरण होने के कारण यह प्रोफेशन भी बदनाम हो रहा है जिसके कारण अच्छे और ईमानदार डाक्टरों की छवि भी खराब हो रही है। समय रहते सरकार को इस ओर ठोस कदम उठाना चाहिए और गलत पेशेवर लोगों पर नकेल कसना चाहिए ताकि जरूरतमंद लोगों के लिए मुहैया करवाई जा रही सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग को रोका जा सके।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले जालंधर विजिलेंस ब्यूरो जालंधर रेंज के एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों द्वारा जालंधर, कपूथला और होशियारपुर के 77 के करीब निजी और 35 सरकारी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंर्तगत करोड़ों की घपलेबाजी का पर्दाफाश करके पंजाब विजिलेंस ब्यूरो स्थित चंडीगढ़ कार्यालय में विजिलेंस इन्क्वारी दर्ज की गई थी। लेकिन अभी तक उसपर सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। क्यों नहीं सिविल अस्पताल और पिम्स में निजी अस्पतालों की तरह लोगों को मूलभूत सुविधाएं दी जाती। जिससे हर एक व्यक्ति चाहे वह आमिर हो या गरीब इलाज के लिए कहीं भी जाने से पहले इनकी तरफ रुख करे। ऐसा होने से राज्य के सरकारी खजाने का राजस्व भी बढ़ेगा और लोगों को उचित स्वास्थ्य लाभ कम खर्चे में मिल पाएगा।

पर्यटकों के लिए है 'स्वर्ग' जैसा! आप जाना चाहेंगे?

राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसे अंग्रेजों को पट्टे पर दे दिया गया था...

माउंट आबू : जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर भी यहां आए थे। उसके बाद से यह जैन अनुयायियों के लिए एक पवित्र और पूजनीय तीर्थस्थल बन गया।

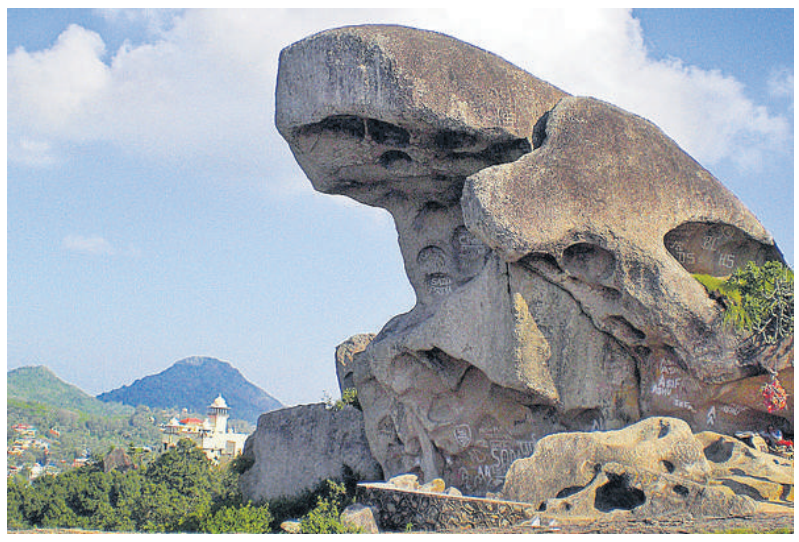

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी से लोगों का मन ऊबने लगता है तो वे हिल स्टेशन की ओर रुख करते हैं। ऐसे में लोगों के मन में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर या फिर पूर्वोत्तर राज्यों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राजस्थान जैसे गर्म प्रदेश में भी एक हिल स्टेशन है। इसका नाम है, माउंट आबू, जो राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है।

समुद्र तल से 1220 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माउंट आबू को राजस्थान का स्वर्ग भी माना जाता है। नीलगिरि की पहाड़ियों पर बसे माउंट आबू का वातावरण राजस्थान के अन्य शहरों से एकदम अलग है। यह राजस्थान के अन्य जगहों की तरह गर्म नहीं है। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है।

हिंदू और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए खास महत्व | ऐतिहासिक मंदिरों वाली ये जगह हिंदू और जैन धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल भी है। पौराणिक कथाओं में सनातन धर्म के देवी-देवताओं के इस पवित्र पर्वत पर भ्रमण करने का जिक्र मिलता है। कहा यह भी जाता है कि मुनि वशिष्ठ ने यहां जन कल्याण के लिए यज्ञ किया था। पुराणों में इस क्षेत्र को अर्बुदारण्य कहा गया है।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर भी यहां आए थे। उसके बाद से यह जैन अनुयायियों के लिए एक पवित्र और पूजनीय तीर्थस्थल बन गया। यहां से पास में ही ब्रह्मकुमारी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय केंद्र भी है।

अंग्रेजों को पट्टे पर दी गई थी ये जगह | कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सिरोही के महाराजा ने माउंट आबू को राजपूताना मुख्यालय के लिए अंग्रेजों को पट्टे पर दिया था। ब्रिटिश शासन में यह गर्मियों से बचने के लिए अंग्रेजों का पसंदीदा स्थान हुआ करता था। अंग्रेजों के लिए ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं थी। कई सरकारी और निजी कार्यक्रम वे यहां किया करते थे। घूमने-फिरने के लिहाज से यह एक शानदार टूरिस्ट स्पॉट है।

दिलवाड़ा मंदिर, नक्की झील, सनसेट पॉइंट वगैरह | माउंट आबू से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित दिलवाड़ा मंदिर पर्यटकों का ध्यान खींचता है। 11वीं और 13वीं शताब्दी के बीच वास्तुपाल और तेजपाल द्वारा इसे बनाया गया था। संगमरमर की डिजाइन और वास्तुकला के लिए यह मंदिर फेमस है। यहां की खूबसूरत नक्की झील भी पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, जो चारों तरफ से पहाड़ियों से घिरी हुई है। झील में नौका विहार और झील के चारों ओर घुड़सवारी का आनंद लिया जा सकता है। यह मानवनिर्मित झील है। पहाड़ी की चोटी पर टॉड रॉक और पास में महाराजा जयपुर पैलेस और रघुनाथ मंदिर भी स्थित है। इनके अलावा अचलगढ़ किला, सनसेट पॉइंट वगैरह का भी आनंद लिया जा सकता है।

कैसे पहुंचे माउंट आबू? | वायुमार्ग से यहां का नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है, जहां से 185 किलोमीटर दूर स्थित माउंट आबू के लिए बस या टैक्सी ली जा सकती है। रेलवे की बात करें तो यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड है, जहां से माउंट आबू 28 किमी की दूरी पर है। सड़क मार्ग से तो यह एकदम जुड़ा हुआ है। दिल्ली होकर आ रहे हों तो कश्मीरी गेट बस अड्डे से सीधी बस मिल जाएगी। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें कई शहरों से अपनी सेवाएं देती हैं।

रिजर्व बैंक ने पहली बार कब और कितने रुपए का छापा था नोट, किसकी लगी पहली फोटो

आजादी से पहले देश में रिजर्व बैंक की नींव पड़ चुकी थी। अपनी स्थापना के तीन साल बाद साल आरबीआई ने पहली बार करेंसी जारी किया था। तब नोट पर इस शख्स की तस्वीर छपी थी।

नई दिल्ली. रंग-बिरंगी भारतीय करेंसी का जारी करने का अधिकार देश के रिजर्व बैंक के पास है। उसके द्वारा जारी नोट ही मान्य होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय करेंसी के रंगों और डिजाइन में काफी बदलाव हुआ है। भारत में नकदी लेन-देन ही प्रमुखता से होता आया है। हालांकि, फिलहाल डिजिटल पेमेंट की तरफ लोग धीर-धीरे आकर्षित होने लगे हैं। मगर फिर देश का एक बड़ा तबका ऐसा है, जो अभी भी कैश में ही लेनदेन करना पसंद करता है। हम सभी हर दिन नोटों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या ये पता है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पहली नोट कितने रुपये की छापी थी। आइए जान लेते हैं।

देश में मौजूदा समय में 2000, 500, 200, 100, 50, 20, 10, 5, 2 और 1 रुपये के नोट चलन में हैं। एक हजार के नोट 2016 में हुई नोटबंदी के बाद चलन से बाहर हो गए थे।

नोट छापने का नियम : रिजर्व बैंक साल 1956 से करेंसी नोट छापने के लिए 'मिनिमम रिजर्व सिस्टम' के तहत करेंसी की छपाई करता है। इस नियम के मुताबिक, करेंसी नोट प्रिंटिंग के विरुद्ध न्यूनतम 200 करोड़ रुपये का रिजर्व हमेशा रखना जरूरी है। इसके बाद ही रिजर्व बैंक करेंसी नोट प्रिंट कर सकता है।

पहली नोट कितने रुपये की : भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को हुई थी। मतलब आजादी से पहले देश में रिजर्व बैंक की नींव पड़ चुकी थी। अपनी स्थापना के तीन साल बाद साल 1938 की जनवरी में आरबीआई ने पहली बार 5 रुपये का करेंसी नोट जारी किया था। इस नोट पर 'किंग जॉर्ज VI' की तस्वीर प्रिंट हुई थी। मतलब आजादी से 9 साल पहले रिजर्व बैंक ने अपनी पहली करेंसी जारी की थी। इसके बाद 10 रुपये के नोट, मार्च में 100 रुपये के नोट और जून में 1,000 रुपये और 10,000 रुपये के करेंसी नोट जारी किए थे।

आजादी के बाद का पहला भारतीय रुपया : आजाद भारत का पहला करेंसी नोट 1 रुपया रिजर्व बैंक द्वारा साल 1949 में जारी किया गया था। साल 1947 तक रिजर्व बैंक द्वारा जारी नोटों पर ब्रिटिश किंग जॉर्ज की तस्वीर छपती थी। रिजर्व बैंक ने पहली बार साल 1969 में स्मरण के तौर पर गांधी जी की तस्वीर वाले 100 रुपये के नोट जारी किए थे।

भारतीय मुद्रा का नाम भारतीय रुपया है। 100 पैसे का एक भारतीय रुपया होता है। भारतीय रुपये का प्रतीक '₹' है। ये डिजाइन देवनागरी अक्षर (र) से प्रेरित है। इससे पहले हम रुपया के प्रीतक के तौर पर रु. लिखा करते थे।

नोटों पर लगने वाले सिक्योरिटी थ्रेड के बारे में क्या जानते हैं आप

देश में कितनी नोट छपेगी यह तय करने का अधिकार भारतीय रिजर्व बैंक को है। नोट की छपाई के लिए आरबीआई ने कड़े मानक तय किए हैं। इसके बावजूद देश में जाली नोट सर्कुलेट होते हैं। आरबीआई कई तरह के सुरक्षा मानकों का ख्याल रखता है। ताकी असली और नकली नोटों में फर्क किया जा सके। इसके लिए आरबीआई द्वारा जारी सभी नोटों के बीच सिक्योरिटी थ्रेड भी एक सुरक्षा मानक ही है।

जब भी आप किसी भी नोट को अपने हाथ में लेते हैं, तो सबसे पहले नोट को हाथ लेकर चेक करते हैं। सिक्योरिटी थ्रेड पर आपको कुछ उभरे हुए कोड दिखाई देते हैं। जाली नोटों से बचने के लिए पहली बार सिक्योरिटी थ्रेड का इस्तेमाल करने का विचार इंग्लैंड हुआ। साल 1848 में इसका पेटेंट भी कराया गया। इसके एक साल बाद इसका इस्तेमाल शुरू किया गया।

इंटरनेशनल बैंक नोट सोसाइटी (IBNS) के अनुसार, बैंक ऑफ इंग्लैंड द्वारा साल 1948 में पहली बार पहली मेटल-स्ट्रिप करेंसी जारी की गई थी। नोट को रौशनी में देखने पर उसपर एक काली लाइन नजर आती थी। हालांकि, इस तरकीब से भी जाली नोटों का कारबोरा नहीं बंद हुआ। साल 1984 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने टूटे धातु के धागों जैसे लंबे डैश के साथ 20 पाउंड का नोट जारी की।

तब भी जालसाजों ने इसका तोड़ निकाल लिया। नकली नोट बनाने वालों ने अल्यूमिनियम के टूटे धागे का सुपर ग्लू का इस्तेमाल करना शुरू दिया था। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान से नकली नोट के आने के डर से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपने नोटों पर सिक्योरिटी थ्रेड का इस्तेमाल करना शुरू किया। इसी साल भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अक्टूबर 2000 में 1000 रुपये थ्रेड वाले नोट जारी किए। तब थ्रेड पर हिंदी में भारत, 1000 और आरबीआई छपा था।

अब 2000 रुपये के नए नोटों पर ब्रोकेन मैटेलिक स्ट्रिप दिखती है। इसपर हिंदी में भारत और अंग्रेजी में आरबीआई का प्रिंट होता है। बता दें कि यह प्रिंट रिवर्स में होता है। इसी तरह अब हर नोट पर सिक्योरिटी थ्रेड लगा होता है। ताकी लोग आसानी से असली और नकली का फर्क कर पाएं।

क्या होता है जब आप गलती से च्युइंगम निगल जाते हैं? किस तरह का पड़ता है शरीर पर इसका असर

बचपन में अगर घरवालों ने आपको च्यूइंगम चबाते हुए देखा होगा, तो कहा ही होगा कि यह आपकी सेहत के लिए सही नहीं है। क्या आपने कभी इसे गलती से निगल लिया है।

च्यूइंगम, ये शब्द सुनते ही बचपन की कितनी सारी यादें ताजा होने लगती हैं न? देर तक च्यूइंगम को चबाना फिर उसे फुलाना। शरारत में किसी की सीट पर चिपका देना तो कभी किसी के बाल में फंसा देना। ये सब बचपन की बातें और शरारते हैं। मगर क्या आपने कभी च्यूइंगम को निगला है? च्यूइंगम को निगलने को लेकर कई तरह की बातें कही जाती है। कोई कहता है कि ये पेट में फंस जाता है और बाहर नहीं निकलता। च्यूइंगम निगलने का असर शरीर पर क्या पड़ता है, आइए जान लेते हैं।

बचपन में अगर घरवालों ने आपको च्यूइंगम चबाते हुए देखा होगा, तो कहा ही होगा कि यह आपकी सेहत के लिए सही नहीं है। च्यूइंगम में बेस, रंग, चीनी या मिठास, सुगंध, वसा, रेजिन, मोम, इलास्टोमर, और पायसिकारी पाया जाता है।

एक रिसर्च के मुताबिक, अगर कोई च्यूइंगम निगल जाता है, तो सबसे पहले लीवर च्यूइंगम में मौजूद हानिकारक कलर और प्रिजरवेटिव्स को शरीर से बाहर निकालता है। इससे शरीर में किसी भी तरह का इंफेक्शन नहीं फैलता है और हानिकारक तत्वों के बाहर निकल जाने से इंसान को एलर्जी का कम खतरा रहता है।

जब च्यूइंगम इंसान के पेट तक पहुंचता है, तो पेट में हाइड्रो क्लोरिक एसिड की मदद से च्यूइंगम के कुछ और तत्व अलग हो जाते हैं। इस प्रक्रिया में च्यूइंगम में मौजूद चीनी ग्लिसरीन और मिठास लाने के लिए इस्तेमाल हुए पेपरमिंट ऑयल जैसे सॉफ्टनर अलग होकर शरीर से बाहर निकल जाते हैं। आंतों तक पहुंचने के बाद च्यूइंगम शरीर से बाहर निकल जाता है।

च्यूइंगम को शरीर से पूरी तरह से बाहर निकलने में 25 से 26 घंटे का समय लगता है। अगर किसी स्थिति में च्यूइंगम एक दिन में शरीर से बाहर नहीं निकल पाता है, तो ऐसे में आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। च्यूइंगम के बाहर नहीं निकलने की वजह से डायरिया, वॉमेटिंग, जी मिचलाना जैसी समस्यानएं होने लगती हैं। साथ ही आपको एलर्जी की समस्या भी हो सकती है।

बेंगलुरु : देश का पहला सेंट्रलाइज्ड एसी वाला रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से है लैस

देश में एयरपोर्ट की तरह ही एक रेलने स्टेशन का निर्माण हुआ है। यह देश को पहला सेंट्रलाइज्ड एसी वाला रेलवे स्टेशन है और इसे एयरपोर्ट की तरह ही डिजाइन किया गया है।

देश का हर रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तरह चमकदार हो जाए तो भारतीय रेल की रौनक की बदल जाएगी। तो हम आपको बता दें कि इसकी शुरुआत हो चुकी है। देश को पहला सेंट्रलाइज्ड एसी वाला रेलवे स्टेशन मिल गया है। विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बेंगलुरु का एम। विश्वेश्वरैया स्टेशन बनकर तैयार हो गया है। भारतीय रेलवे अपने आप हर दिन आधुनिक बना रही है। इसी क्रम उसके खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है।

यह रेलवे स्टेशन किसी हवाई अड्डे की तरह दिखता है। देश का पहला वातानुकूलित रेलवे टर्मिनल पूर्वी बेंगलुरु के बैयापनहल्ली में बनकर तैयार हो चुका है। यहां पर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। एयरपोर्ट की तरह ही आरामदायक लाउंज भी बनाया गया है। देश के सबसे अधुनिक रेलने स्टेशन को बनान में करीब 314 करोड़ रुपये की लागत आई है।

बेंगलुरु के बैयापनहल्ली में बने इस रेलवे स्टेशन का बाहरी हिस्सा एकदम शहर के एयरपोर्ट की तर्ज पर ही बनाया गया है। पूरे स्टेशन के ऊपर 4200 मीटर की कैनोपी लगाई गई है। प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए सीढ़ियों के अलावा स्वचालित सीढ़ियां और लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है।

इस रेलवे स्टेशन पर कुल सात प्लेटफॉर्म हैं, जिनकी चौड़ाई 14 फीट है और लंबाई 600 मीटर है। सभी प्लेटफॉर्म को एक दूसरे के कनेक्ट करने के लिए 7.5 फीट चौड़ा फूट ओवर ब्रीज बनाया गया है। प्लेटफॉर्म पर बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग की भी व्यवस्था की गई है।

स्टेशन के बाहर पार्किंग की सुविधा का भी ध्यान रखा गया है। कुल 250 चार पहिया वाहन और 900 के करीब दो पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए स्पेस बनाया गया है। प्लेटफॉर्म के दोनों ओर अंडरग्राउंड सब वे का भी निर्माण किया गया है। देश के पहले सेंट्रलाइज्ड एसी वाले रेलवे स्टेशन का अभी उद्घाटन होना बाकी है।

नॉलेज न्यूज

रेलवे के साथ जुड़कर शुरू करें बिजनेस, कम पैसे में करें मोटी कमाई

नई दिल्ली. कोविड-19 के चलते बंद हुई ट्रेनों अब एक बार फिर पटरी पर दौड़ने लगी हैं। ट्रेन सर्विस शुरू होने के बाद बिजनेस के भी मौके बढ़े हैं। अगर आप भी बिजनेस करने की सोच रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। आप भारतीय रेलवे के साथ जुड़कर मुनाफे वाला बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप रेलवे को प्रोडक्ट बेचकर कमाई कर सकते हैं।

दरअसल, भारतीय रेलवे सालाना 70,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रोडक्ट खरीदता है। आप रेलवे को उसकी जरूरतों के मुताबिक प्रोडक्ट सप्लाई कर कमाई कर सकते हैं। रेलवे के साथ बिजनेस करने के लिए आपको सबसे पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा। आप https://ireps.gov.in और https://gem.gov.in वेबसाइट जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

ऐसे मिलेगा आपको बिजनेस का मौका : मेक इन इंडिया नीति के तहत रेलवे के वैगन, ट्रैक और एलएचबी डिब्बों के टेंडर में 50 फीसदी से अधिक स्थानीय प्रोडक्ट वाले आपूर्तिकर्ता ही भाग ले सकेंगे। वहीं, 'वंदे भारत' ट्रेन सेट के लिए 75 फीसदी इलेक्ट्रिक सामान मेक इन इंडिया के तहत खरीदा जाएगा।

रेलवे कोई भी प्रोडक्ट उस कंपनी से खरीदता है जो बाजार में सबसे सस्ता सामान सप्लाई कर रहा हो। ऐसे में आपको कोई ऐसा प्रोडक्ट तलाशना होगा जो आपको किसी कंपनी या मार्केट से आसानी से और सस्ती दरों पर मिल जाए। अपनी लागत और प्रॉफिट के आधार पर टेंडर डालें। आपके रेट कॉम्पिटेटिव होने चाहिए तभी आपको टेंडर मिलने में आसानी होगी।

मिलेगी ये छूट : रेलवे छोटी इंडस्ट्री को बढ़ावा दे रही है। रेलवे के किसी टेंडर की लागत की 25 फीसदी तक की खरीद में एमएसएमई को 15 फीसदी तक की प्राथमिकता मिलती है। इसके अलावा, छोटे उद्योगों को ईएमडी और सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करने की शर्तों में भी छूट दी गई है।

नहीं होगी नए रजिस्ट्रेशन की जरूरत : अगर कोई आपूर्तिकर्ता रेलवे की किसी एक एजेंसी में कोई प्रोडक्ट सप्लाई करने के लिए रजिस्ट्रेशन करा लेता है तो इसे पूरे रेलवे में प्रोडक्ट की सप्लाई के लिए रजिस्ट्रेशन माना जाएगा। नए रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी। एक बार रजिस्ट्रेशन करवाकर रेलवे के साथ कारोबार शुरू कर सकते हैं।

स्टेनलेस स्टील में ऐसा क्या होता है कि नहीं लगती जंग

जब लोहे से बना सामान नमी वाली हवा में या गीला होने पर ऑक्सीजन से प्रतिक्रिया करते हैं तो लोहे पर एक भूरे रंग की परत यानी आयरन ऑक्साइड की जम जाती है। यह भूरे रंग की परत लोहे का ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया के कारण आयरन ऑक्साइड बनने से होता है, जिसे धातु का संक्षारण कहते या लोहे में जंग लगना कहते है। यह नमी की वजह से ही होता है और ऑक्सीजन, कार्बन डाईऑक्साईड, सल्फर, अम्ल आदि के समीकरण से यह परत बन जाती है। हवा या ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में लोहे में जंग नहीं लगती है।

स्टील में क्यों नहीं लगती जंग? दरअसल, स्टील भी कई तरह के होते हैं, जिसमें एक स्टेनलेस स्टील भी होता है, इसी से ही आपके घर के बर्तन बनते हैं। आपको बता दें कि स्टेनलेस स्टील में ही जंग नहीं लगती है, बल्कि सामान्य स्टील में भी जंग लगने की संभावना रहती है। इसलिए पहले आपको बताते हैं कि स्टील और स्टेनलेस स्टील में क्या अंतर होता है। स्टील का निर्माण कार्बन और लोहे को मिलाने से होता हैं, इस वजह से लोहा और भी सख्त हो जाता हैं कई बार इसे हल्का स्टील या प्लेन कार्बन स्टील भी कहते हैं। स्टील में जो उच्च कार्बन सामग्री होती हैं।

वहीं, स्टेनलेस स्टीम में क्रोमियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह सामान्यतया 10।5 प्रतिशत से अधिक होता है। इससे उच्च तापमान पर इसमें मजबूती बनी रहती है। जब भी स्टेनलेस स्टील को बनाया जाता हैं तो उसमें क्रोमियम, नाइट्रोजन, मोलिब्डेनम और निकल को मिलाया जाता हैं, इससे एक परत स्टील पर बन जाती है, जो पारदर्शी होती है। इसकी वजह से यह जंग रोधी बन जाता है और कितने भी पानी के संपर्क में आ जाए यह वैसा का वैसा ही रहता है। स्टील में कार्बन की मात्रा ज्यादा होने से स्टील पर आसानी से जंग लग जाती हैं लेकिन कार्बन की मात्रा ज्यादा होने से स्टील स्टेनलेस स्टील की तुलना में अधिक मजबूत होता हैं। जब स्टील में और भी धातुओं को मिला दिया जाता हैं तो वो स्टेनलेस स्टील बन जाता हैं।

तनाव के बीच यूएस ने वीजा पर लगाया ब्रेक!

चीन के छात्रों की अमेरिका में एंट्री पर रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी कोई संकेत नहीं दिया है कि वह क्या कर सकते हैं। शंघाई के ऑनलाइन समाचार संगठन 'द पेपर' ने बताया कि चीनी अधिकारियों ने अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन से वीजा पाबंदियों को हटाने की अपील की थी।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

एक सेमेस्टर ऑनलाइन पढ़ाई के बाद वांग जिवेई सेंट लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय परिसर में आ रहे अपने सहपाठियों से मिलने के लिए उत्साहित था लेकिन 23 साल के वित्तीय शिक्षा के छात्र ने कहा कि अमेरिका ने सुरक्षा आधार पर उसका छात्र वीजा निरस्त कर दिया है। चीन सरकार का कहना है कि वांग कम से कम उन 500 छात्रों में एक से हैं।

इन छात्रों के वीजा संभावित सैन्य इस्तेमाल के लिए अमेरिकी प्रौद्योगिकी हासिल करने से बीजिंग को रोकने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी नीति के अनुसार निरस्त कर दिए गए हैं। वांग ने कहा, 'सारी चीजें बकवास हैं। हम वित्तीय शिक्षा के छात्रों का सेना से क्या लेना देना?'

अमेरिका ने बताई ये वजह

दरअसल, प्रौद्योगिकी और शिक्षा, बीजिंग की सैन्य बढ़त, कोरोना वायरस की उत्पत्ति, मानवाधिकार और दक्षिण चीन सागर तथा अन्य क्षेत्र के विवादित दावों को लेकर अमेरिका और चीन के बीच संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। इस नीति के तहत उन लोगों को वीजा देने पर रोक लगायी गयी है जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा जनमुक्ति सेना या उन विश्वविद्यालयों से जुड़े हैं जिन्हें वाशिंगटन ने सेना के आधुनिकीकरण के प्रयासों का हिस्सा बताया है।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि उनका मानना है कि हजारों चीनी छात्र और शोधकर्ता ऐसे कार्यक्रमों में शामिल हैं जिससे वह चीन को चिकित्सा, कम्प्यूटर और अन्य संवेदनशील जानकारी दे सकते हैं। वाशिंगटन ने बीजिंग की 'नागरिक-सैन्य संयोजन' की नीति का हवाला दिया है। इसके बारे में उसका कहना है कि यह निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को चीनी सैन्य प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए एक संपत्ति मानता है।

पीएलए की टेक्नोलॉजी खतरा!

विदेश विभाग ने 2020 में एक रिपोर्ट में कहा था, 'संयुक्त शोध संस्थान, शिक्षा जगत और निजी कंपनियों का पीएलए की भविष्य की सैन्य प्रणालियां बनाने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है और वो भी अक्सर उनकी जानकारी या सहमति के बिना।'राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी कोई संकेत नहीं दिया है कि वह क्या कर सकते हैं। शंघाई के ऑनलाइन समाचार संगठन 'द पेपर' ने बताया कि चीनी अधिकारियों ने अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन से वीजा पाबंदियों को हटाने की अपील की थी।

बीजिंग में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा था कि 'अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा' करने के लिए यह नीति अनिवार्य है। उसने कहा कि यह नीति 'वीजा प्रक्रिया के कुछ दुरुपयोग' का जवाब है। दूतावास ने बताया कि पिछले चार महीनों में चीनी छात्रों के लिए 85,000 से अधिक वीजा को मंजूरी दी गयी है। उसने कहा, 'यह संख्या स्पष्ट रूप से दिखाती है कि अमेरिका चीनी छात्रों और शोधार्थी समेत उन सभी लोगों को वीजा जारी करने के लिए तैयार है जो योग्य हैं।'

अमेरिका में सबसे ज्यादा चीनी स्टूडेंट्स

अमेरिका के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में सबसे अधिक विदेशी छात्र चीन के हैं। एक सरकारी विमान निर्माता कंपनी में इंजीनियर ने कहा कि उनके अपनी पत्नी के पास जाने के वीजा अनुरोध को ठुकरा दिया गया जो कैलिफोर्निया में बाल कैंसर चिकित्सा की पढ़ाई कर रही है।

इंजीनियर ने चीन के उत्तरपूर्व में हार्बिन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से स्नातक की डिग्री हासिल की है। उन्होंने कहा, 'मेरा अपमान किया गया। चूंकि मैंने इस संस्थान से डिग्री हासिल की है तो क्या इसका मतलब यह है कि मैं जासूस हूं? इसमें और नस्लवाद में क्या फर्क है?'

कई छात्रों के वीजा अनुरोध को ठुकराने के पत्र में ट्रंप के आदेश का हवाला दिया गया है लेकिन फैसले की जानकारियां नहीं दी गयी। हालांकि, कुछ छात्रों का कहना है कि उनका वीजा यह जानने के तुरंत बाद खारिज कर दिया गया कि वे किस विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर चुके हैं।

मद्रास हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, नई गाड़ियों पर बंपर टू बंपर इंश्योरेंस लेना जरूरी नहीं

नई दिल्ली. मद्रास हाई कोर्ट ने नए मोटर वाहनों के लिए अनिवार्य रूप से पांच साल तक 100 प्रतिशत नुकसान की भरपाई वाले बंपर टू बंपर इंश्योरेंस की अनिवार्यता को फिलहाल खत्म करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस इंश्योरेंस की अनिवार्यता को लेकर आखिरी फैसला संसद के ऊपर छोड़ दिया गया है। जानकारी के मुताबिक मद्रास हाई कोर्ट अगस्त में दिए गए अपने फैसले को मोडिफाइड करेगा।

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि नई गाड़ी लेने पर 5 साल वाला बंपर टू बंपर इंश्योरेंस जरूरी नहीं होगा। कोर्ट ने कहा है कि ये उनका सिर्फ सुझाव रहेगा, इस नियम को अनिवार्य करने का फैसला संसद करेगी। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने अगस्त में कहा था कि 1 सितंबर से बिकने वाली गाड़ियों के लिए बंपर टू बंपर इंश्योरेंस लेना अनिवार्य किया जाना चाहिए।

बंपर टू बंपर इंश्योरेंस में नए वाहनों के मेटल, फाइबर और रबर से बने पार्ट्स पर होने वाले नुकसान का 100 फीसदी कवरेज मिलता है। इससे पहले जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कोर्ट से अनुरोध किया था कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की इजाजत मिले बिना बंपर टू बंपर इंश्योरेंस के फैसले को लागू करने में बहुत दिक्कतों का सामना करने पड़ेगा। कंपनी ने कहा था कि इसके लिए कम से कम 90 दिनों (3 महीने) की जरूरत होगी। जनरल इंश्योरेंस कंपनी के इस अनुरोध के बाद जस्टिस एस। वैद्यनाथन ने कोर्ट के फैसले को स्थगित रखने का फैसला किया था।

जनरल इंश्योरेंस कंपनी के वकील ने कोर्ट में कहा था कि आईआरडीएआई एक नियामक संस्था है, जो बीमा व्यवसाय में जरूरी मुद्दों को लेकर सरकारी और प्राइवेट कंपनियों के बीच तालमेल बनाता है। लिहाजा, इस अहम मामले में जनरल इंश्योरेंस कंपनी और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण को पक्षकार बनाकर उनकी बातों पर गौर किया जाए।

कोरोना के बाद कितना बदल गया डॉक्टर-मरीज का रिश्ता, जानते हैं किस वजह से खुश नहीं रहे पेशेंट

कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद से डॉक्टर्स के देखने का तरीका बदल गया है, जिससे मरीज का विश्वास भी डॉक्टर्स पर से कम हो रहा है। यह अब काफी बदल गया है।

नई दिल्ली. कोरोना वायरस ने पढ़ाई करने के तरीके से लेकर नौकरी करने के तरीके तक सबकुछ बदल दिया है। यहां तक कि अब तो डॉक्टर-मरीज का रिश्ता भी पूरी तरह बदल गया है। जब पहले डॉक्टर के पास जाते थे तो डॉक्टर अपने पास बैठाकर अच्छे से बात करता था और बीमारी का इलाज करता था। लेकिन, अब कुछ बीमारी होने पर भी लोग डॉक्टर्स के पास जाने से बच रहे हैं और डॉक्टर से ऑनलाइन माध्यम से ही बात कर ले रहे हैं।

वहीं, डॉक्टर्स भी अपने क्लिनिक में भी मरीज को दूर से ही देख रहे हैं और मरीज के पास जाना पसंद नहीं कर रहे हैं। यह सब कोरोना वायरस की वजह से ही संभव हुआ है। कई अस्पतालों में अब ओपीडीएस और गैर-आपातकालीन इकाइयों को बंद कर दिया गया है। साथ ही कई तरह की बीमारियों में डिजिटल तकनीकों को बढ़ावा मिला है और उनके जरिए ही इलाज किया जा रहा है। जानते हैं पिछले करीब डेढ़ साल में कितना परिवर्तन आ गया है...

ऑनलाइन डॉक्टर्स उपलब्ध करवाने वाली एक ऐप के अनुसार, मेडिकल परामर्श में 500 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई है। लॉकडाउन में 50 मिलियन भारतीयों ने टेलीमेडिसिन के माध्यम से हेल्थ सर्विस लोगों तक पहुंचाई है और 80 फीसदी लोगों ने पहली बार ऑनलाइन माध्यम से डॉक्टर्स से सेवाएं ली हैं। दरअसल, कोरोना वायरस की वजह से लोगों ने अस्पताल जाना बंद कर दिया है। अगर वे अस्पताल जाते भी थे तो उन्हें कई तरह के नियमों का पालन करना पड़ता था, जिसमें पीपीई किट, मास्क, सेनेटाइजर आदि शामिल है।

बदल गया मरीज और डॉक्टर का कनेक्शन?

साथ ही, डॉक्टर के मास्क और पीपीई किट के उपयोग ने मरीजों के अनुभव को प्रभावित किया, क्योंकि पीपीई किट ने डॉक्टर के चेहरे को ढंक दिया था, जिससे डॉक्टर के साथ आंख से संपर्क करना असंभव हो गया। इससे चेहरे के भाव, बात करने के तरीके से रोगी को बहुत कुछ समझ आता था, जो अब समझ नहीं आता है। साथ ही डॉक्टर्स को भी मरीज के बारे में बहुत कुछ पता नहीं चल पाता है। माना जाता है कि डॉक्टरों की सहानुभूति के बारे में मरीजों की धारणा पर पीपीई किट और मास्क का महत्वपूर्ण हानिकारक प्रभाव पड़ा। साथ ही मरीज और चिकित्सक के बीच बातचीत के समय में भी काफी कमी आई है, जिससे मरीज काफी परेशान रहे।

साथ ही आपने भी नोटिस किया होगा कि कोविड समय में मरीज डॉक्टर्स के देखने के तरीके से खुश नहीं रहे और उनका हमेशा मानना रहा कि डॉक्टर्स अब अच्छे से परामर्श नहीं दे रहे हैं। इसके अलावा, कोविड -19 के दौर में डॉक्टर्स के खिलाफ फैलाई गई गलत सूचना ने डॉक्टरों के प्रति लोगों के अविश्वास को बढ़ा दिया। इस वजह से कई जगह फ्रंट लाइन वर्कर्स के साथ गलत व्यवहार भी किया गया।

डॉक्टर-पेशेंट के रिलेशन पर स्टेहैप्पी फार्मेसी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आरुषि जैन का भी कहना है, 'इस चुनौतीपूर्ण समय में, कोविड के प्रभावों को कम करने के लिए हर हेल्थ रिसोर्स का उपयोग करना समय की आवश्यकता है। कोविड से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, गलत सूचनाओं को फैलने से रोकना और डॉक्टर्स को राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा प्रदान करना ही डॉक्टर और मरीज के संबंध को स्थापित करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगा।'

महंगाई ने किया लगभग सभी वर्गों का बुरा हाल

आटा, चीनी, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, सरसो तेल, दालें सबकुछ महंगा

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

थोक महंगाई दर ने बड़ा झटका दिया है। अगस्त के महीने में देश का थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 11.39 फीसदी पर जा पहुंचा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईंधन और बिजली की कीमतों में तेज़ी के कारण थोक महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ ही महंगाई की इस मार के लिए मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कीमतों में आया उछाल भी जिम्मेदार हैं।

कोरोना महामारी के दौरान आम लोगों पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। पेट्रोल व डीजल के दाम 100 रुपये से अधिक हो चुके हैं। रसोई गैस सिलेंडर के दामों में भी इस साल सैकड़ों रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। अब खाद्य पदार्थों के दामों में लगातार वृद्धि ने लोगों की कमर तोड़ दी है। कुकिंग आयल 200 रुपये किलो तक पहुंच गई है। अगस्त माह में आटा, मैदा, चीनी, दालें, तेल आदि के दाम काफी बढ़े हैं। उधर, कोरोना के कारण लोगों की आमदनी कम होने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। कोरोना के दौरान काफी लोगों की नौकरी चली गई, वहीं कइयों की आमदनी कम हो गई है। निजी शैक्षणिक संस्थान अभी भी 20 फीसद कटौती के साथ सैलरी दे रहे हैं। खास बात यह है कि खाद्य पदार्थो की कीमत बढ़ने का कारण पता नहीं चल रहा। फिलहाल न तो डिमांड बढ़ी है, न किसी चीज की कमी है, फिर भी कीमतें बढ़कर आ रही हैं।

जिक्रयोग्य है जिन वस्तुओं के वगैर हमारा जीवित रहना मुश्किल है लगभग उन्हीं वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। महंगाई लगभग चरम पर है। इससे जहां लोगों में रोष है वहीं चोरी, छीना झपटी, लूट मार की घटनाएं आम होने लगी है। लोगों के पास कोई विकल्प नहीं रहा कि वे अपने रोजमर्रा के खर्चों को कहां से पूरा करे। ऐसे में लोग गलत कदम उठाने से भी नहीं चूक रहे।

खुली चाय हुई कड़वी : महंगाई की पतीली में खुली चाय भी खूब उबल रही है और दिन प्रतिदिन भाव आसमान को छूने लगा है।

पहले और अब : पहले एक आम आदमी का घर के राशन का बजट कुछ ही साल पहले 1500-2000 के बीच था आज वही बजट लगभग तीन गुणा बढ़ चुका है लेकिन विचार करने वाली बात यह है आम आदमी की आमदनी इस तरह नहीं बढ़ी। लोग बढ़ रहे इस महंगाई से परेशान है। आगे भी आने वाले दिनों में इसमें राहत की कोई संभावना नहीं। ऐसे में लोग अपने बच्चों को जरूरी शिक्षा के लिए भी अक्षम महसूस कर रहे हैं। मजबूर और कमजोर वर्ग लगातार कर्जे में डूबते जा रहे हैं।

अगस्त में क्यों और कितनी बढ़ी थोक महंगाई : सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, ईंधन की कीमतों में तेज़ी के कारण थोक महंगाई में बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान फ्यूल एंड पावर की महंगाई 26.02 फीसदी से बढ़कर 26.09 फीसदी हो गई है।

वहीं, मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई 11.20 फीसदी से बढ़कर 11.39 फीसदी हो गई है। हालांकि, होलसेल मार्केट में खाने के सामान से जुड़ी महंगाई 4.46 फीसदी से गिरकर 3.34 पर आ गई है।

इससे क्या होगा आम आदमी पर असर : एक्सपर्ट्स बताते हैं कि थोक महंगाई बढ़ने से आम आदमी और कंपनियों पर दबाव बढ़ता है। ऐसे में आरबीआई ब्याज दरें घटाने की जगह बढ़ा सकता है। ऐसे में कंपनियों का ब्याज खर्च बढ़ जाएगा। लिहाजा कंपनी के मुनाफे पर दबाव आएगा। साथ ही, कंपनियां अपनी विस्तार योजनाएं टाल सकती है।

पूरी दुनिया इस समय महंगाई से परेशान है : एक्सपर्ट्स का कहना है कि अच्छी बारिश के चलते खरीफ सीजन की फसल बेहतर हो सकती है। लिहाजा आने वाले दिनों में खाने पीने के सामान से जुड़ी महंगाई दर में गिरावट आ सकती है। हालांकि अभी भी चिंताएं बरकरार है।

भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि महंगाई दूसरी तिमाही तक ही कम हो पाएगी, जब खरीफ फसल की कटाई का सीजन आएगा।

महंगाई की मार सिर्फ भारत और दूसरे विकासशील देशों पर नहीं पड़ रही है, विकसित देशों का भी बुरा हाल है। अमेरिका में महंगाई दर के आंकड़े मंगलवार को आने वाले हैं, जहां वह 13 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। उसकी वजह जरूरी सामान की सप्लाई में आ रही रुकावट और कोविड के चलते देशभर में लगी पाबंदियों का एक समान तरीके से नहीं हटना है।

कैप्टन ने हरसिमरत बादल की बयानबाज़ी का दिया सख्त जवाब, बोले-

'किसानों के संकट संबंधी आपको बोलने का नैतिक हक भी नहीं'

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि किसी भी अकाली नेता ख़ासकर पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल को कृषि कानूनों के कारण पैदा हुए संकट पर बोलने का नैतिक हक नहीं है, क्योंकि वह इस संकट को आसानी से टाल सकते थे, जब वह केंद्र सरकार में हिस्सेदार और इसके हरेक लोक विरोधी फ़ैसले के पक्ष में होते थे।

मुख्यमंत्री ने पंजाब में लंबे समय से चल रहे किसान संघर्ष के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभाव संबंधी दिए गए बयान के संदर्भ में हरसिमरत बादल द्वारा ग़ैर-ज़िम्मेदाराना दावे करने और उनके ख़िलाफ़ निराधार दोष लगाने पर तीखा पलटवार करते हुए अकाली नेता के राजनैतिक तौर पर प्रेरित विचारों की सख़्त शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि हरसिमरत बादल की यह बयानबाज़ी संकट को रोकने में उसकी पार्टी और स्वयं की नाकामी पर पर्दा डालने से अधिक और कुछ नहीं है, जबकि यह काँटे उनके अपने ही बीजे हुए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री द्वारा उन पर भारतीय जनता पार्टी की लीडरशिप और प्रधानमंत्री की बोली बोलने के लगाए गए दोषों की खिल्ली उड़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केंद्र और पड़ोसी राज्य हरियाणा में सत्ताधारी पार्टी पर छोड़ दिया होता तो किसान अपनी आवाज़ सुनाने के लिए दिल्ली की सरहदों तक भी न पहुँचते। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी भी किसानों को दिल्ली जाने के लिए नहीं कहा। आपकी गठजोड़ सरकार के विनाशकारी कदमों के निष्कर्ष के तौर पर किसानों को मजबूरन अपने घर-बार छोडक़र राष्ट्रीय राजधानी की सरहद पर बैठना पड़ा, जहाँ उनको कई तत्वों का सामना करने के अलावा जान भी गंवानी पड़ी।'' कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने हरसिमरत बादल को किसानों पर कृषि कानून थोपने में अपनी मिलीभुगत संबंधी झूठ बोलने से गुरेज़ करने के लिए कहा, जो कानून सिफऱ् पंजाब के लिए नहीं बल्कि समूचे मुल्क के लिए हैं।

हरसिमरत बादल द्वारा किसानों को यह सुझाव देने कि उनको पंजाब में प्रदर्शन करना चाहिए जबकि उनकी लड़ाई केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के ख़िलाफ़ है, मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा, ''यह तो वह बात हुई कि किसी को दुश्मन के ख़िलाफ़ लडऩे के लिए पश्चिमी फ्रंट पर जाने के लिए कहा जाए जबकि दुश्मन पूर्वी बॉर्डर पर खड़ा है।'' उन्होंने कहा कि इससे भलीभांति पता लग जाता है कि अकाली विधान सभा चुनावों को देखते हुए किसानों का ध्यान केंद्र से राज्य की तरफ मोडऩा चाहते हैं और इससे वह राज्य और किसानों को होने वाले नुकसान से भी अंजान हैं।

डीसी ने प्लास्टिक के प्रयोग पर पाबंदी को सख्ती के साथ लागू करने के आदेश

कपूरथला. कपूरथला ज़िले में वातावरण संभाल के लिए डिप्टी कमिश्नर दीप्ति उप्पल ने कहा है कि घर -घर कूड़ा एकत्रित करने की योजना को 100 प्रतिशत घरों तक लागू करना यकीनी बनाने के साथ-साथ प्लास्टिक के प्रयोग पर पाबंदी को सख्ती के साथ लागू किया जाये। उन्होंने ज़िला वातावरण समिति की बैठक दौरान कहा कि फगवाड़ा, कपूरथला नगर निगमों के इलावा नगर कौंसिलें सभी घरों से कूड़ा इकट्ठा करे। इसके इलावा पाबंदी के बावजूद प्लास्टिक के प्रयोग को गंभीरता के साथ लेते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पाबंदी का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालान किये जाएँ।

फगवाड़ा, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी, बेगोवाल में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों की लगातार जांच के निर्देश देते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि जांच रिपोर्ट हर महीने सौंपी जाये, जिससे साफ़ किये पानी को खेती के लिए इस्तेमाल किया जा सके। शहर में कूड़ो के ढेरों को ख़त्म करने के लिए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि निर्धारित स्थानों पर लगे कूड़ो के ढेरों की पहचान करके एक महीने के अंदर उनको उचित जगह पर लगाया जाये। ज़िले के सभी 460 अस्पतालों, नर्सिंग केन्द्रों, मूलभूत स्वास्थ्य केन्द्रों में बायो मैडीकल वेस्ट के सही प्रबंधन के लिए पुख़्ता प्रबंध किये जाएँ। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर जनरल अदित्या उप्पल और दूसरे विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

डॉ. अन्देश कंग ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के डायरैक्टर के तौर पर पद संभाला

चंडीगढ़. डॉ. अन्देश कंग ने आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के डायरैक्टर के तौर पर पद संभाला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पंजाब में किए गए प्रशासनिक फेरबदल के अंतर्गत तीन डायरेक्टरों के पदों में बदलाव किया गया।

इस सम्बन्धी और जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि डॉ. ओम प्रकाश गोजरा ने डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाएं (परिवार कल्याण) और डॉ. गुरिन्दरबीर सिंह ने डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाएं (ईएसआई) के तौर पर पद संभाला। इस मौके पर मुख्य कार्यालय के समूह स्टाफ ने नव-नियुक्त डायरेक्टरों का स्वागत किया और उनको विभाग के कामकाज में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग ने लोक संपर्क अधिकारियों को सौंपे नए वाहन

जालंधर ब्रीज. सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के काम में और अधिक कुशलता लाने के लिए विभाग के सचिव गुरकिरत किरपाल सिंह और कमिश्नर कमल किशोर यादव ने आज अधिकारियों को सात नए वाहनों की चाबियाँ सौंपी। यहाँ एक सादे परन्तु प्रभावशाली समारोह के दौरान लोक संपर्क अधिकारियों को वाहन सौंपते हुए सचिव ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य विभाग के कामकाज को और अधिक सुचारू बनाना है। गुरकिरत किरपाल सिंह ने कहा कि विभाग के कुछ मौजूदा वाहनों की समय-सीमा पूरी हो चुकी थी, जिस कारण इनको बदलने की तत्काल ज़रूरत थी।

एडीसी ने राज्य स्तरीय रोज़गार मेलों की तैयारियों का लिया जायज़ा

कपूरथला. पंजाब सरकार की तरफ से युवाओं को रोज़गार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य के साथ 23 सितम्बर को पंजाब तकनीकी यूनिवर्सिटी में करवाए जा रहे राज्य स्तरीय रोज़गार मेलो की तैयारियों का अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर जनरल अदित्या उप्पल और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर विकास एस.पी. आंगरा ने जायज़ा लिया। उन्होंने अलग -अलग विभागों के आधिकारियों को कहा कि वह ड्यूटी को पूरी तनदेही के साथ निभाये, जिससे पंजाब भर से नौकरी के नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को किसी मुश्किल का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री ने मोगा में माई दौलता मातृ एवं शिशु अस्पताल किया समर्पित

चंडीगढ़/मोगा. पंजाब सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के स्तर को ऊपर उठाने के लिए कई पहलकदमियों के तहत मोगा शहर में माई दौलता मातृ एवं शिशु अस्पताल शुरू किया गया है। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलवीर सिंह सिद्धू ने आज इसका उद्घाटन किया। सिद्धू ने कहा कि माई दौलता मातृ एवं शिशु अस्पताल 50 बिस्तरों की क्षमता के साथ 5.48 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है जोकि हर तरह की सुविधाओं से लैस है। राज्य भर में ऐसे 29 अस्पताल बन चुके हैं जबकि 8 अस्पतालों का निर्माण कार्य चल रहा है। इस साल 7 और अस्पताल भी चालू कर दिये जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के सफल कामकाज को देखने के बाद इन सैंटरों की संख्या बढ़ाकर 3,000 कर दी जाएगी, जिन्हें 31 मार्च, 2022 से पहले चालू कर दिया जाएगा।

ऑल इंडिया सिविल सर्विसिज़ वॉलीबाल टूर्नामेंटों के लिए चयन ट्रायल मोहाली में आज

चंडीगढ़. हरियाणा में 20 से 24 सितम्बर तक होने वाले ऑल इंडिया सिविल सर्विसिज़ वॉलीबाल टूर्नामेंट (पुरुष/महिला) के लिए पंजाब की टीमों का चयन करने के लिए ट्रायल मोहाली में 16 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से लिए जाएंगे। खेल विभाग के डायरैक्टर डी.पी.एस. खरबन्दा के मुताबिक सैंट्रल सिविल सर्विसिज़ कल्चरल एंड स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा कुरूक्षेत्र के द्रोणाचार्य स्टेडियम में करवाए जा रहे इस वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए पंजाब की टीमों का चयन करने हेतु ट्रायल 16 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से मोहाली के सैक्टर -63 स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम लिए जाने हैं।

हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

• नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए विशेष अभियान के तहत सब-इंस्पेक्टर अशोक कुमार इंचार्ज स्पेशल आप्रेशन यूनिट कमिश्नरेट जालंधर की टीम ने 10 ग्राम हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलवंत सहोता उर्फ सन्नी पुत्र दीन मोहम्मद निवासी नज़दीक गत्ते वाली फेक्टरी उपकार नगर जालंधर के रूप में हुई है। जालंधर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

स्पोर्ट्स प्लेनेट

3000 करोड़ रुपए कमाने वाली कंपनी ही लगा सकेगी आईपीएल 2022 की 2 नई टीमों की बोली, 17 अक्टूबर को होगी नीलामी

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आईपीएल 2022 सीजन के लिए दो नई टीमों की नीलामी आगामी 17 अक्टूबर को की जा सकती है।

नीलामी की संभावित तारीख दुबई में आईपीएल फाइनल के ठीक दो दिन होने के मद्देनजर टीमों की बोली दुबई या मस्कट में हो सकती है। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली संभावित पार्टियों को नीलामी की अंतिम तिथि और स्थान के बारे में जल्द सूचित किए जाने की जानकारी दी है।

यह भी सामने आया है कि बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली पार्टियों को तीन प्रमुख तारीखों 21 सितंबर, पांच अक्टूबर और 17 अक्टूबर को लेकर सूचित किया है। 21 सितंबर तक स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है, जबकि आईटीटी (निविदा का निमंत्रण) दस्तावेज पांच अक्टूबर तक खरीद के लिए उपलब्ध होगा और 17 अक्टूबर को नीलामी होने की संभावना है। यह पुष्टि की गई है कि कोई ई-नीलामी नहीं होगी और बंद बोली प्रक्रिया की सदियों पुरानी प्रथा का पालन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रत्येक आईपीएल टीम के लिए लीग मैचों की संख्या 14 होती है, जो नई दो टीमों के बाद 18 हो सकती है। अभी प्रत्येक टीम कम से कम सात मैच घरेलू मैदानों पर और सात घर से बाहर खेलती है। वर्तमान में लीग में आठ टीमें हैं और प्रत्येक टीम को समान रूप से सात घरेलू और सात मैच बाहर खेलने को मिलते हैं, लेकिन दो नई टीमों के आने के बाद प्रत्येक टीम नौ मैच घरेलू मैदान और नौ घर से बाहर खेल सकती है, हालांकि बड़ी खिड़की के अभाव के कारण यह संभावना है कि बीसीसीआई समझौते में 14 मैचों के साथ ही रहेगा।

18 लीग मैचों का विकल्प खुला रखा जा सकता है। उपलब्ध खिड़की के आधार पर लीग मैचों की कुल संख्या 74 या 94 हो सकती है। अगले साल, जब मीडिया अधिकारों का मौजूदा चक्र समाप्त हो जाएगा, तो 74 मैच होंगे जिनमें सभी टीमों को दो समूहों के प्रारूप में सात घरेलू और सात मैच घर से बाहर खेलने होंगे।

बोर्ड ने बयान में कहा था, ''आईपीएल की संचालन परिषद आईपीएल 2022 सत्र से इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लेने के लिए प्रस्तावित दो नई टीमों में से एक का स्वामित्व और संचालन का अधिकार हासिल करने के लिए निविदा प्रक्रिया के जरिए बोली आमंत्रित करती है। ''

इसमें कहा गया था, ''कोई भी इच्छुक पक्ष जो बोली जमा कराना चाहता है उसे निविदा आमंत्रण खरीदना होगा। हालांकि निविदा आमंत्रण में लिखित पात्रता को पूरा करने वाले और अन्य नियमों और शर्तों को पूरा करने वाले बोली के पात्र होंगे। स्पष्ट किया जाता है कि सिर्फ निविदा आमंत्रण को खरीदने से कोई व्यक्ति बोली लगाने का पात्र नहीं होगा।''

3000 करोड़ रुपए कमाने वाली कंपनी को मिलेगा मौका

बीसीसीआई ने वित्तीय जरूरतों को लेकर स्पष्ट करते हुए कहा है कि बोली लगाने वाली प्रत्येक पार्टी की कुल संपत्ति 2500 करोड़ रुपए होनी चाहिए और कंपनी का कारोबार तीन हजार करोड़ रुपए का होना चाहिए। एक संघ के मामले में, बीसीसीआई केवल तीन भागीदारों को अनुमति देगा और उनमें से एक को 2500 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति और तीन हजार करोड़ रुपए के कारोबार के उपरोक्त मानदंडों को पूरा करना होगा। समझा जाता है कि बोली लगाने के दो चरण होंगे, कानूनी और वित्तीय। एक बार कानूनी विभाग द्वारा बोलीदाता के योग्यता मानदंडों से संतुष्ट हो जाने के बाद वित्तीय बोली खोली जाएगी। कोई भी दो से छह शहरों के लिए बोली लगा सकता है। अहमदाबाद, लखनऊ, इंदौर, कटक, गुवाहाटी और धर्मशाला बोली के लिए उपलब्ध शहर हैं। दो उच्चतम बोली लगाने वालों को टीमें दी जाएंगी।अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम और लखनऊ का इकाना स्टेडियम फ्रेंचाइजी की पसंद हो सकते हैं क्योंकि इन स्टेडियमों की क्षमता अधिक है।

श्री चैतन्य महाप्रभु श्री राधा माधव मंदिर प्रताप बाग में श्री राधा अष्टमी महा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

• जालंधर ब्रीज. रिपोर्टर

श्री चैतन्य महाप्रभु श्री राधा माधव मंदिर प्रताप बाग में आज श्री राधा अष्टमी महा महोत्सव बड़े श्रद्धा पूर्वक और हर्षोल्लास से मनाया गया।

संकीर्तन का प्रारंभ केवल कृष्ण, अमित चड्डा, राजेश शर्मा, चेतनदास और यांकील कोहली ने मंगलाचरण और गुरु वंदना से किया।

राधा नाम संकीर्तन की ध्वनि से सारा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। केवल कृष्ण ने बताया कि राधा जी का प्राकट्य ब्रजमंडल के अंतर्गत रावल ग्राम में हुआ। राधा जी के पिताजी श्री वृषभानु महाराज एक दिन यमुना जी के किनारे ध्यान में निमग्न थे। यमुना जी में एक बहुत बड़ा कमल का फूल बहता हुआ आया और वृषभानु महाराज के पास आकर रुक गया। वृषभानु महाराज ने उस फूल को उठाया और बाहर रखा। जैसे ही कमल का फूल बाहर रखा उसकी पंखुड़ियां खुल गई और बीच में एक सुंदर सी कन्या प्रकट हुई। वृषभानु महाराज के कोई संतान नहीं थी। उन्होंने महल में आकर उस कन्या को अपनी पत्नी कीर्तिदा सुंदरी की गोद में रख दिया। त्रिभुवन में उस कन्या के प्रकट होने से आनंद का वातावरण छा गया। इसलिए उस कन्या का नाम राधा हुआ।

इस अवसर पर करतार सिंह, कपिल शर्मा, सनी दुआ, नीरज कोली और रेवती रमन गुप्ता ने संकीर्तन के द्वारा सबको आनंदित कर दिया।

12:00 बजे राधा रानी जी का प्रकट कालीन अभिषेक हुआ। दूध दही घी शहद शक्कर और नारियल पानी से पुजारियों ने राधा जी का अभिषेक किया। सभी भक्तों ने अभिषेक के बाद राधा जी के चरण दर्शन किए। वर्ष में एक बार ही आज के दिन राधा जी के चरण दर्शन होते हैं। अंत में राजेश शर्मा ने सभी के साथ मिलकर मन भूल मत जइयो राधा रानी के चरण और आज तो बधाई बाजे वृषभानु भवन में संकीर्तन किया।

यहां पर नरेंद्र गुप्ता, राजकुमार जिंदल, राजीव जग्गी, बालकृष्ण क्वात्रा, टी एल गुप्ता, अजीत तलवार, चंद्रमोहन राय, मिंटू कश्यप, राजन गुप्ता, अजय अग्रवाल, राजीव ढींगरा, गगन अरोड़ा, विकास ठुकराल, विजय सग्गर, संजीव खन्ना, ओम भंडारी, हेमंत थापर, तापस, मानव, विजय मक्कड़, कृष्ण गोपाल, जगन्नाथ, अमरीश गौर, माधव, नरेंद्र कालिया, रविंद्र बागड़ी और अरुण गुप्ता उपस्थित थे।

कृष्ण लीला

मथुरा में है रौनक
चारों और गूँजे शहनाई
बड़ी धूमधाम है लोगों
कृष्ण जन्माष्टमी है आई।
देवकी ने था जन्म दिया
यशोदा ने गोद खिलाया
गोपाल कान्हा ने तो
दो माताओं का प्यार था पाया।
उनकी चंचल बाल क्रीड़ाएँ
सबके मन को भाती थीं
यशोदा और नंद ही नहीं
गोपियाँ भी इठलाती थीं।
कभी माँगते माखन
तो कभी चाँद खिलौना
मुख पर लिपटा माखन
रूप है मनोहर सलोना।
बाँसुरी की मधुर ध्वनि सुन
झूम उठते पत्ता-पत्ता, डाली-डाली
थम जाती सारी प्रकृति
झूमे काली घटा मतवाली।
राधा और गोपियों संग
श्रीकृष्ण की रास लीला
आत्मा-परमात्मा का मिलन
ईश्वर की थी अदभुत लीला।
धरा से पाप मिटाया
द्रोपदी की लाज बचाई
इंद्र और कंस का तोड़ा अभिमान
सुदामा के साथ मित्रता निभाई।
राधा की प्रेम पराकाष्ठा ने
अन्त तक साथ निभाया
कान्हा की परछाई बन
सृष्टि में पूजनीय स्थान बनाया।
श्रीकृष्ण की दिव्य वाणी
बनी गीता का ज्ञान
ये चिंतामणी अमूल्य रत्न
है विचारों का उद्यान।
आज भी कलयुग में है
कंस जैसे संहारक
बचाने इस सृष्टि को
चाहिए कृष्ण जैसे उद्धारक।

लेखिका - रचना (लुधियाना)

ऊँचाइयाँ

ऊँचाइयाँ
ऊँचाइयों पर पहुंचना
ऊँचा पद पाना
ख्याति प्राप्त करना
चाहते तो सब है
परंतु उन ऊँचाइयों को संभालना
आता किसी-किसी को है....
ऊँचाई वो नहीं
जो बहुमंजिला इमारत पर नापी जाए
ऊँचाई वो भी नहीं
जो दुर्गम हिमशिखरों पर चढ़ देखी जाए
ऊँचाई तो वो है
जो मैं -मेरेपन का भेद भुलाए
ऊँचाई तो वो है
जो समाज का उत्थान कर जाए
ऊँचाई तो वो है
जो सबके दिलों में बस जाए
परमपिता संग मिलकर
परम गति पाए

लेखिका - राधा शर्मा

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.